वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय जौनपुर

प्रगति आख्या

निःशुल्क कोचिंग

प्रेरणा

(स्थापनाः 4 फरवरी 2014)

प्रेरणा का उद्देश्य

- वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के उन स्कूली बच्चों को जो प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययन करते हैं, उनको निःशुल्क शिक्षा विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा प्रदान कर उनकी प्रतिभा को और बेहतर तरीके से निखारना एवं नए पाठ्यक्रमों से अवगत कराते हुए उनको भविष्य के लिए तैयार करना।
- कोचिंग के माध्यम से नई शिक्षा नीति.2020 के उद्देश्य की सार्थकता पूर्ण करना भी है क्योंकि पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय केवल ज्ञानार्जन का एक केंद्र ही नहीं है अपितु शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं में समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी तथा नैतिक कर्तव्यों के निर्वहन को समझने योग्य बनाना।
- विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को समाज सेवा योग्य बनाना।

प्रो० निर्मला एस० मौर्य

24 वें दीक्षांत समारोह (16 फरवरी, 2021) के अवसर पर निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा में अपनी सेवा दे रहे छात्रों को सम्मानित करते हुये माननीय कुलाधिपति एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य

दिनांक 4 मई 2022 को निःशुल्क कोचिंग प्रेरणा में योगदान कर रहे छात्रो को सम्मानित करते हुये विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० निर्मला एस० मौर्य एवं अधिकारीगण

संक्षिप्त विवरण

- कोचिंग के आविर्भाव दिनांक 4 फरवरी 2014 से लेकर आज तक देवकली गाँव के पंचायत भवन में संचालित है।
- यह कोचिंग पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के आस-पास के उन सभी बच्चों के लिए वरदान है जो आज की महंगी शिक्षा से वंचित है। कोचिंग में छात्र/छात्राओं को कॉपी/पेंसिल/पुस्तके आदि सामग्री भी जरूरत मंदों को उपलब्ध करा दी जाती है।
- इसके आर्थिक व्यय में सहयोग हेतु परिसर के शिक्षक सहयोग करते हैं।

संक्षिप्त विवरण .....

कोचिंग की शुरूआत दिनांक 4 फरवरी 2014 को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा उस समय हुआ जब विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इंजीनियरिंग संकाय की इकाई के सेवक-सेविकाएँ अपने विशेष शिविर के दौरान विश्वविद्यालय के पास के गाँव देवकली एवं भटानी में भारत सरकार के साक्षरता मिशन जागरूकता रैली निकाल रहे थे। उसी दौरान इन छात्रों /छात्राओं द्वारा देवकली गाँव में कुछ बच्चों को कांच की गोलियों से खेलते देखा गया। उनसे पूछे जाने पर कि वे पढ़ते क्यों नहीं है तो वे बताये कि न तो उन्हें पढ़ाने वाला कोई है और न ही कोचिंग के लिए उनके पास धन है। उसी के ठीक अगले दिन से शिक्षकों एवं छात्रों की टीम द्वारा "प्रेरणा" नाम की नि:शुल्क कोचिंग प्राम्भ कर दी गयी ।

संक्षिप्त विवरण .....प्रतिदिन शाम को 4.30 बजे से 6.30 बजे तक एवं प्रातः 6.30 बजे से 8.00 बजे तक इंजीनियरिंग, प्रो० रज्जू भईया संस्थान एवं फार्मेसी संकाय के छात्र/छात्राएं पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय के पास देवकली गाँव में "प्रेरणा" नाम की नि:शुल्क कोचिंग में अपने कीमती समय में से कुछ समय निकालकर न केवल गरीब एवं जरूरत मंद बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों की प्रतिभा निखारने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहें हैं। प्रारंभ में प्रेरणा कोचिंग 30 बच्चों की संख्या से शुरू हुई थी। वर्ष 2015 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 150, वर्ष 2016 में 225, वर्ष 2017 में 243, वर्ष 2018 में 220, वर्ष 2019 में 208, वर्ष 2020 में 225 थी। वर्ष 2020–21 में कोरोना महामारी के कारण सत्र शून्य करना पड़ा। वर्तमान वर्ष 2022-23 में इस कोचिंग से 91 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। शुरूआत में पढ़ाने वाले शिक्षकों (इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय के छात्र/ छात्राएं) की संख्या 8 थी जो वर्तमान वर्ष में 12 है।

पंजीकृत छात्र/छात्राओं की संख्या का विवरण

Class	2022-23
LKG-UKG	15
Class 1	5
Class 2	10
Class 3	11
Class 4	9
Class 5	6
Class 6	5
Class 7	8
Class 8	7
Class 10	6
Class 11	6
Class 12	3
योग	91

वर्तमान सत्र 2023 में प्रेरणा में अपना योगदान दे रहे छात्र

- कौशलेंद्र दुबे
- स्वर्णिम मिश्रा
- अफजल अली
- नदीम अहमद
- अबसार अहमद
- आयुष यादव
- अमर सिंह यादव
- अक्षय मिश्रा
- अरुण गौतम
- सैयद अजमत
- अभिषेक तिवारी
- अमरजीत कुमार धीवर

विभिन्न गतिविधियों के चित्र-संग्रह

प्रेरणा के बच्चो को नैतिक मूल्यों से अवगत कराते हुए डॉ इन्द्रेश गंगवार

जनता जनार्दन इंटर कॉलेज में प्रेरणा के बारे में बच्चो को प्रेरित करते हुए अमरजीत एवं उनके साथी

देवकली गांव के आस-पास के ग्रामीण अभिभावकों को देवकली के पंचायत भवन में प्रेरणा के बारे में अवगत कराते

चित्र-संग्रह

गणतंत्र दिवस के आयोजन के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग करते हुए प्रेरणा के छात्र एवं छात्राएं

24 वें दीक्षांत समारोह (16 फरवरी, 2021) के अवसर पर कुलपति आवास पर प्रेरणा कोचिंग में सहयोग प्रदान कर रहे छात्रों का अभिवादन स्वीकार करते हुए माननीय कुलाधिपति

स्थापना दिवस के अवसर पर प्रेरणा कोचिंग में ग्रामीण बच्चों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी

सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत प्रेरणा कोचिंग में अध्यापन कार्य कर रहे छात्र-छात्राओं के साथ समूह चित्र

प्रेरणा कोचिंग में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कराते हुए

प्रेरणा

(वंचितों को नि:शुल्क शिक्षा का एक प्रयास)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के विद्यार्थियों द्वारा ग्राम देवकली, जौनपुर में पूर्णतया नि:शुल्क शिक्षण कक्षाएँ "प्रेरणा" चलाई जा रही हैं। इन कक्षाओं से विश्वविद्यालय परिसर के आस–पास के गाँव देवकली, भटानी और जासोपुर के लगभग 150 छात्र एवं छात्राएं लाभान्वित हो रहे हैं। इन कक्षाओं में एलकेजी से कक्षा 12 तक के बच्चों को पढ़ाया जाता है। इन कक्षाओं की शुरुआत इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षक डॉ. संतोष कुमार एवं डॉ. अमरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग चतुर्थ वर्ष के छात्र विशाल सिंह के नेतृत्व में दिनांक 4 फरवरी, 2014 को हुई थी। जिसमें इंजीनियरिंग के 10 बच्चों ने गाँव के 30 छात्रों को पढ़ाना प्रारंभ किया। गत तीन वर्षों की प्रेरणा कक्षाओं के संचालन के उपरांत बच्चों के ज्ञान का स्तर काफी बढ़ा है और आसपास के गाँव में बच्चों के अभिभावक भी विश्वविद्यालय के छात्रों के इस प्रयास से काफी खुश हैं। आज इन कक्षाओं में बच्चे सेंट्रल हिन्दू स्कूल, वाराणसी की प्रवेश परीक्षा हेतु भी नि:शुल्क तैयारी कर रहे हैं। वर्तमान सत्र का संचालन इंजीनियरिंग के चतुर्थ वर्ष के छात्र आशुतोष चौधरी, विशाल मणि पासवान, अंकित सिंह, ज्ञानचंद्र सिंह, अमित कुमार यादव, संदीप कुमार, विभूति नारायण एवं अमित यादव समेत 27 छात्रों के कठिन परिश्रम एवं डॉ. राजकुमार की देख–रेख में चल रहा है। समय–समय पर बच्चों के चहुँमुखी विकास के लिए प्रेरणा में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है और बच्चों को पुरस्कृत भी किया जाता है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणा कक्षाओं के माध्यम से जहां एक तरफ वंचित बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा जा रही है वहीं ही उनके व्यक्तित्व विकास के लिए भी पाठ्यक्रम से इतर प्रयास किये जा रहे हैं। प्रेरणा कक्षा के विद्यार्थियों को समय–समय पर विश्वविद्यालय का भ्रमण भी कराया जाता है जिससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल सके।

प्रेरणा कोचिंग के बारे में विश्वविद्यालय की वार्षिक पत्रिका गतिमान में प्रकाशित अभिलेख

सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत चिंग में अध्यापन कार्य कर रहे छात्र-छात्राओं एवं प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ राज कुमार के साथ समूह फोटो

अध्यापन करते हुए प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ राज कुमार

गांव के बच्चों को शिक्षा देना पुण्य का काम : कुलपति

- कुलपति ने रखा अम्मा कोचिंग चलाने का भी प्रस्ताव
- देवकली में आठ साल से चल रही निःशुल्क कोचिंग

भारत एकता टाइम्स/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा संचालित देवकली पंचायत भवन में सोमवार को प्रेरणा निःशुल्क कोचिंग के बच्चों ने बाल दिवस समारोह मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि बच्चों की जीवन की कठिनाइयों को दूरकर प्रेरणा कोचिंग आगे बढ़ाने का काम कर रही है, यह पुण्य का काम है। विश्वविद्यालय इन बच्चों की पढ़ाई में कोई बाधा नहीं आने देगी। उन्होंने अम्मा कोचिंग चलाने का प्रस्ताव रखा। कहा कि अगर अम्मा पढ़ेंगी पूरा परिवार शिक्षित होगा। गौरतलब है कि 4 फरवरी 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में बच्चों के लिए निःशुल्क प्रेरणा कोचिंग शिविर चल रही है। इस कोचिंग के माध्यम से अब तक 1435 विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं, वर्तमान समय में 1 से 12 तक की कक्षाओं के 135 विद्यार्थी शिक्षा ले रहे हैं, विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों का एक समूह इन बच्चों को पढ़ाता है। कार्यक्रम में कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग में अपनी सेवा देने वाले विद्यार्थी आइकॉन हैं। विद्यार्थियों ने परंपरा का निर्वहन किया है, आगे भी यह जारी रहेगा। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को लोक भावना के अनुरूप कार्य करना चाहिए। देश के विकास का रास्ता गांव से ही होकर जाता है। विशिष्ट अतिथि छात्र अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि प्रेरणा कोचिंग से विश्वविद्यालय के उन विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास हुआ है जो इससे जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से जुड़कर गांव के बच्चे बड़ा सपना देख रहे हैं। प्रेरणा कोचिंग के संयोजक डॉ. राजकुमार ने विद्यार्थियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संचालन शैलेंद्र प्रताप सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो.रजनीश भास्कर, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, इन्द्रेश गंगवार, सच्चिदानन्द मिश्र समेत अन्य उपस्थित रहे।

शिक्षा | देवकली गांव में निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का मनाया गया स्थापना दिवस

आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यान : प्रो. निर्मला

ंवाद न्यूज एजेंसी

रंजाकला। वीर बहादुर सिंह ूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों ौर विद्यार्थियों की ओर से चलाए ा रहे निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का ोमवार को देवकली गांव में स्थापना िवस मनाया गया। जहां बच्चों ने ांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

गणित के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा ोचिंग के समन्वयक डॉ. राजकुमार े प्रगति आख्या प्रस्तुत की। मुख्य ातिथि पूर्व कुलपति प्रो. डीडी दुबे ने हा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने पनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब च्चों में करके बड़ा अच्छा कार्य िया है।

देवकली गांव में निशुल्क प्रेरणा कोचिंग के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलतीं कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्या। संवाद

बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए।

कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सकें।

आंगनबाड़ी के बच्चों में वितरित की शिक्षण सामग्री

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने गोद लिए गए देवकली गांव के बल्ली का पूरा आंगनबाड़ी केंद्र पर 100 बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं मिष्ठान का वितरण किया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने उन्हें बड़ा होकर नेक इंसान बनने का आह्वान किया। शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ. राहुल सिंह ने बच्चों मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। संचालन प्रो. राकेश कुमार यादव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने किया। इस अवसर मौके पर प्रधानाध्यापिका मिथिलेश शर्मा, सहायक अध्यापिका अर्चना यादव, रिंका यादव, जीतेंद्र कुमार यादव, शिक्षा मित्र दयानाथ, रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, अनीता यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनय कुमार वर्मा व रिंसू सिंह आदि उपस्थित रहे। संवाद

कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

इस मौके पर प्रो.अशोक कुमा श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा मनी कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद आ उपस्थित रहे।